

निवेद्यालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान जयपुर ।

क्रमांक : एफ 24 () लेखा-ए/अनु/निकाशि / 2011-12/1365-1435 दिनांक 26-12-11

सचिव,
प्रबन्ध समिति,
समर्त अनुदानित महाविद्यालय।

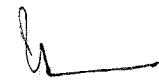
विषय:- माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एस.एल.ए. (सिविल) नं. 10227 / 2009 में पारित निर्णय दिनांक 20.10.2011 के क्रम में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एस.एल.ए. (सिविल) नं. 10227 / 2009 में पारित निर्णय दिनांक 20.10.2011 की पालना में केन्द्र सरकार की योजना/आदेश दिनांक 17.06.1987 एवं 27.07.98 को लागू किया जाकर, अनुदानित महाविद्यालयों में कार्यरत सभी टीचर्स/लैक्चरर/प्रोफेसर्स/रीडर्स को देय वेतन की गणना कर भुगतान किया जाना है, यदि पूर्व में भुगतान नहीं किया गया हो।

अतः इस सम्बन्ध में संलग्न प्रपत्र संख्या 1 से 3 में वांछित सूचना दिनांक 30.01.2012 तक आवश्यक रूप से प्रस्तुत करावें। नियत दिनांक तक सूचना प्रस्तुत नहीं की जाने की स्थिति में समर्त दायित्व संस्था प्रबन्धन का होगा।

संलग्न : उपरोक्तानुसार


निदेशक
कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर

क्रमांक : एफ 24 () लेखा-ए/अनु/निकाशि / 2011-12/1436-1441 दिनांक 26-12-11
प्रतिलिपि निम्न को सुचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

1. निजि सचिव, प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा, शासन सचिवालय, जयपुर।
2. निजि सचिव निदेशक कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर।
3. उप विधि परामर्शी, कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर।
4. संयुक्त निदेशक (अनुदान) कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर।
5. श्री धीरेन्द्र देवर्षी, व्याख्याता को वैबसाइट पर अपलोड करने हेतु
6. रक्षित पत्रावली।


मुख्य लेखाधिकारी
कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर

ପ୍ରକାଶକ

सामाजिक सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 20.10.2011 को पालना में चौथा देतनामान (यू.जी.सी.) लागू किये जाने से पहले अतिरिक्त वित्तीय भार का विवरण

नोट - 1. कॉलेज संख्या 5 में जिस दिनांक से पद स्थीकृत किया गया है उपर दिनांक का अंकन किया जाना है। एवं मत्युपार्श्व विभाग द्वारा स्थीकृत पुस्तकों के आदेश के प्रति संलग्न की जानि है।

2. कॉलम संख्या 6 व 7 की सत्यापनर्थ कर्मचारी वाईज अन्तर विवरण तालिका तैयार करवाई जाकर संलग्न की जानी है।

 - (1) अन्तर विवरण तालिका में भुगतान गोप्य राशि में चौथे वेतनमान लागू किये जाने पर देय वेतन एवं उस पर प्रचलित दरों से देय भत्तों की गणना कर दर्शाया जाना है।
 - (2) अन्तर विवरण तालिका में भुगतान की जा चुकी राशि में चौथे वेतनमान लागू नहीं किये जाने की स्थिति में देय वेतन एवं उस पर प्रचलित दरों से देय की गणना कर दर्शाया जाना है।

3. दिनांक 2.1.86 से 31.12.95 के दोषेन स्वीकृत पदों पर नियुक्त कर्मचारियों की सूचना इसी प्रारूप में पृथक् से तैयार की जानी है।

प्राचीन
हिन्दू

卷之三

मानवीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 20.10.2011 की पालना में पौधारों जाने से पड़ने वाले अनिवार्य वित्तीय भार का दिवार

नोट - 1. कॉलम रख्या 5 में जिस दिनांक से पद रखीकृत किया गया है उक्त दिनांक का अंकन किया जाना है एवं सत्यपनार्थ विभाग द्वारा संलग्न की जानी है।

2. कॉलेज संख्या ८२५६८ की सत्यापनार्थ कर्मचारी वाईज़ अन्तर्विवरण तालिका तेथार करवाई जाकर संलग्न करी जानी हो।

(1) अन्तर विवरण तालिका में भुगतान योग्य राशि में नॉचवां वेतनमान लागू किये जाने पर देय वेतन एवं उस पर प्रयोलित दरों से देय भत्तों की गणना कर

卷之三

१८
दण्डां जाता-

(2) अन्तर विवरण तालिका में भुगतान की जा चुकी राशि में पैंचदो वेतनमान लाग नहीं किये जाने की स्थिति में देय वेतन एवं उस प्रद प्रबलित दर्शे से देय भन्तों की

की गणना कर दर्शाया जाना है।

3. दिनांक 1.1.96 तक स्वीकृत रिक्त पदों पर एवं इसके पश्चात स्वीकृत पदों पर नियुक्त कर्मचारियों की सूचना इसी प्रारूप में पृथक से तैयार की जानी है।

ପ୍ରକାଶକ

कानूनीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक 20.10.2011 की पालना में शैक्षणिक कर्मचारियों को दिनांक 27.07.98 से लागू कैरियर एडवान्समेंट रकीम (सी.ए.एस.) के फूलस्तररूप 27.7.98 को अथवा इसके पश्चात देय वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान सान का लाभ दिये जाने से पहले अतिरिक्त वित्तीय भार का विदरण

नोट - 1. कॉलम संख्या 5 व 6 के सम्बन्ध में स्क्रीनिंग करेंटी द्वारा सी.एस. के लिए अनुसंधा की गई दिनांक का अंकन किया जाना है तथा सत्यपानार्थ स्क्रीनिंग करेंटी की अनुसंधा की प्रति संलग्न की जानी है।

2. कॉलम संख्या 7 से 9 के सत्यापनार्थ कर्मचारी वार्ड अन्तर विवरण तालिका तैयार करवाई जाकर संलग्न की जानी है।

 - (1) अन्तर विवरण तालिका में भुगतान योग्य राशि में वरिष्ठ / चयनित वेतनमान स्वीकृत किये जाने के फलस्वरूप देय बेतन एवं उस पर प्रचलित दरों से देय भत्तों की गणना कर दर्शाया जाना है।
 - (2) अन्तर विवरण तालिका में भुगतान की जा चुकी राशि में वरिष्ठ / चयनित वेतनमान स्वीकृत नहीं किये जाने की स्थिति में देय बेतन एवं उस पद प्रचलित दरों से देय भत्तों की गणना कर दर्शाया जाना है।

3. दिनांक 1.1.96 तक स्वीकृत रिक्त पदों पर एवं इसके पश्चात स्वीकृत पदों पर नियुक्त कर्मचारियों की सूचना इसी प्राप्त में पृथक से तैयार की जानी है।